विज्ञान के जादूगर – विक्रम साराभाई

उन्हें भारतीय **स्पेस प्रोग्राम का पिता (Father of Indian Space Program)** कहा जाता है।

उनके नाम पर आज भारत का सबसे बड़ा **साराभाई स्पेस सेंटर** है।

बच्चो, आज मैं तुम्हें एक ऐसे अंकल की कहानी सुनाने जा रहा हूँ,
जिन्होंने भारत को आसमान तक पहुँचा दिया।
उनका नाम था – विक्रम साराभाई।

बहुत समय पहले, 12 अगस्त 1919 को गुजरात के अहमदाबाद शहर में
एक प्यारे-से बच्चे का जन्म हुआ।
वह बचपन से ही बहुत होशियार था।
उसे आसमान में चमकते तारे, चाँद और ग्रह बहुत अच्छे लगते थे।
वह अक्सर कहता –
"एक दिन मैं इन रहस्यों को समझूँगा और भारत को भी आसमान की सैर कराऊँगा।"

बचपन से ही पढ़ाई में मन लगाते-लगाते वे बड़े हुए और
विज्ञान के बड़े वैज्ञानिक बने।
फिर उन्होंने ठान लिया –
भारत का भी अपना अंतरिक्ष संगठन होना चाहिए।

और बच्चों, सोचो ज़रा…
विक्रम अंकल ने ही भारत में ISRO की शुरुआत की!
यानी वही जगह जहाँ से आज हमारे रॉकेट और उपग्रह (satellites) आसमान में जाते हैं।

उनकी मेहनत से ही भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट बनाया गया।
आज जो टीवी, मोबाइल, मौसम की जानकारी, सब हमें आसानी से मिलती है,
वो सब विक्रम साराभाई जी के सपनों का ही नतीजा है।

"Your small contribution can help shape a brighter future for many students. If you find it valuable, consider donating at UPI ID - [redacted] *Every contribution counts. Thank you!"*

- *To Get A Personalized Set Of Worksheet For Child, Please Send 'Hi' On WhatsApp – 7248217332*